PRATHAM BOOKS

वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

किताब दर किताब
बच्चा दर बच्चा
बदलाव की ओर

प्रबंधन रिपोर्ट

93 लाख प्रिंट पुस्तकें और स्टोरी कार्ड

50,000+ डिजिटल पुस्तकें

332 भाषाएँ (215 क्षेत्रीय)

3.4 करोड़ पठन

पुस्तकें बदलाव की संवाहक हैं

“किताबें एक खास पोर्टेबल जादू हैं।”—स्टीफन किंग

प्रथम बुक्स की स्थापना 2004 में क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों की कमी को दूर कर ‘हर बच्चे के हाथ किताब पहुँचाने’ के लक्ष्य के साथ की गई थी। पिछले वर्ष हमने भारत में 93 लाख प्रिंट किताबों का वितरण किया, जो प्रथम बुक्स के इतिहास में सबसे अधिक है। हमने अपने निःशुल्क डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म स्टोरीवीवर पर डिजिटल पुस्तकों को 332 भाषाओं में 50,000 से अधिक तक बढ़ाया है। इनमें से लगभग 215 भाषाएँ क्षेत्रीय हैं। पिछले वर्ष जुड़ी भाषाओं में 88% भाषाएँ क्षेत्रीय थीं, जिनमें बूरा, एज़्र्या, नानाई, रुसिन और लेप्चा जैसी लुप्तप्राय और गंभीर रूप से लुप्तप्राय भाषाएँ शामिल हैं।

हमारे काम के तीन स्तंभ हैं- सृजन, पहुँच और परिवर्तन। क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों का सृजन हमारे काम का केन्द्रीय बिन्दु है। हमने अब तक 5,000 से अधिक बाल पुस्तकें प्रकाशित की हैं जिसके लिए रचनाकारों के अद्भुत समुदाय को धन्यवाद। यह साझेदारी हमारे लिए सौभाग्य की बात है। ये किताबें वैविध्यपूर्ण और समावेशी हैं। इनमें अपनी पहचान, लिंग, जलवायु परिवर्तन, प्रेरक व्यक्तित्व और सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा जैसे विषयों से संबंधित पुस्तकें भी हैं। ये पुस्तकें आनंददायक, प्रेरक और विचारोत्तेजक हैं, जिनमें विविध लोगों, उनकी विविध दुनिया, अनुभवों और यात्राओं को दर्शाया गया है। किताबें जो भारत और दुनिया भर में, कक्षाओं में, सामुदायिक पुस्तकालयों और घरों में, हर जगह बच्चों के हाथों में अपना रास्ता तलाशती रहती हैं। पिछले वर्ष और उससे पहले हमारी पुस्तकों को मिले असंख्य पुरस्कार और प्रशंसा उनके मूल्य का प्रमाण हैं।

पहुँच से हमारा आशय है कि हमारी आनंददायक पुस्तकें हर जगह, विशेषकर वंचित बच्चों और शिक्षकों के लिए भी सुलभ हों। हमारी पुस्तकें प्रिंट, डिजिटल, ऑडियो और विभिन्न माध्यमों में उपलब्ध हैं, जो सीधे हमारे और हमारे कई भागीदारों द्वारा वितरित की जाती हैं। पिछले वर्ष हमने उन बच्चों तक अपनी प्रिंट, डिजिटल और ऑडियो किताबें पहुँचाने के लिए छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र की सरकारों के साथ साझेदारी की, जिन तक पुस्तकों की पहुँच बहुत कम या बिल्कुल नहीं थी।

हमारा पुरस्कार विजेता मुफ़्त डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, स्टोरीवीवर, दुनिया में बाल पुस्तकों का सबसे बड़ा भंडार है। इसे 10 साइट भाषाओं में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों रूपों में कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। पूरे भारत और लगभग 150 देशों के शिक्षकों, अभिभावकों और बच्चों ने अपनी मातृभाषा में हमारी किताबें पढ़ी हैं। जो लोग इंटरनेट का उपयोग नहीं कर सकते, उनके लिए हमारा निःशुल्क चैनल- 'मिस्ड कॉल दो, कहानी सुनो' हिंदी, मराठी, कन्नड़, गुजराती, उर्दू और अंग्रेजी में हमारी ऑडियो पुस्तकें प्रदान करता है।

हमारी पुस्तकों के माध्यम से पढ़ने और समझने को प्रभावित करने के लिए परिवर्तन लाने में भागीदारी और प्रोग्राम शामिल हैं।

किताबें परिवर्तन की उल्लेखनीय एजेंट हैं, वे अपने साथ जुड़ने वाले पाठकों के लिए खिड़कियों, स्लाइडिंग दरवाजों और दर्पण की तरह काम करती हैं। खिड़कियों के रूप में किताबें पाठकों को अपने से भिन्न लोगों, स्थानों और अनुभवों के दृश्य और दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। स्लाइडिंग दरवाजे की तरह पाठकों को नई दुनिया और वास्तविकता में प्रवेश करने का अनुभव देते हैं। किताबें दर्पण भी हैं, जो पाठकों को अपने जैसे पात्रों और स्थितियों के माध्यम से खुद को बेहतर ढंग से देखने, प्रतिबिंबित करने और समझने में मदद करती हैं।

हमारी खुली किताबें, खुले दरवाजे, खुले दिमाग : कहानी पुस्तकों के माध्यम से लैंगिक समानता कार्यक्रम के द्वारा प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 3 से 5 तक के बच्चों में लैंगिक समानता पर बात करने के लिए बेहतरीन कहानियों का उपयोग करता है। चार पठन स्तरों पर एक क्यूरेटेड पुस्तक सूची, विस्तृत सत्र योजनाओं के साथ तैयार की गई है, जो लिंगभाव और लैंगिकता की विविध और समावेशी समझ प्रदान करती है और लैंगिक समानता वाली दुनिया की कल्पना करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हिंदी और मराठी में हमारे फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम का उद्देश्य केंद्रीय शिक्षण उपकरण के रूप में सचित्र कहानी पुस्तकों का उपयोग करके कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक पठन प्रवाह और समझ का निर्माण करना है। स्तरवार, क्यूरेटेड कहानी पुस्तकों और वर्कशीट और प्रगति ट्रैकर जैसे मूल्यांकन संसाधन निपुण भारत दिशानिर्देशों द्वारा उल्लिखित ग्रेड-वार सीखने के परिणामों से जुड़े हुए हैं। सामग्री की प्रभावशीलता को मापने के लिए, असर के सहयोग से एक बेसलाइन और एंड-लाइन मूल्यांकन को एकीकृत किया गया है।

छत्तीसगढ़ के शिक्षा विभाग ने हमारे फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम को प्रिंट में अपनाया है। 250 मास्टर प्रशिक्षकों के लिए पाँच जोनल मास्टर प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जो राज्य भर में 90,000 शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। राज्य में 26 लाख बच्चों तक पहुँचने के लिए कुल 54 लाख प्रिंट किताबें वितरित की गईं।

गोवा के शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी के साथ साझेदारी में सभी राज्य स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को पढ़ने की खुशी से परिचित कराने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया। इसमें क्यूरेटेड स्टोरीबुक्स, ग्रेड-उपयुक्त विषय और शब्दावली और मराठी और कोंकणी में डिजिटल + प्रिंट रीडिंग प्रोग्राम के लिए सुझाई गई गतिविधियों का एक सेट शामिल था।

यूनिसेफ, एससीईआरटी और क्षेत्रीय शैक्षणिक प्राधिकरण (आरएए), औरंगाबाद के सहयोग से एक उर्दू रीडिंग प्रोग्राम, 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत 80 उर्दू किताबें विकसित की गईं और 880 स्कूलों में 37,000 प्रिंट किताबें वितरित की गईं।

हमने स्टोरीवीवर के माध्यम से पूरे भारत में 25,000 स्कूलों तक पहुँचने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के साथ साझेदारी में बडिंग ऑथर यानी उभरते लेखक कार्यक्रम शुरू किया।

डोनेट-ए-बुक ने क्राउडफंडिंग के माध्यम से पूरे भारत में बच्चों के लिए पुस्तकालय स्थापित करने में मदद की, ताकि अधिक से अधिक बच्चे पुस्तकों के जादू और पढ़ने के आनंद को महसूस कर सकें। हमने भारत के 50+ कस्बों और शहरों में लगभग 230,000 बच्चों को प्रभावित करने के लिए 300+ लाइब्रेरी-इन-ए-क्लासरूम के साथ 55,000 से अधिक प्रिंट किताबें वितरित कीं।

हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में निरंतर समर्थन के लिए हमारे अद्भुत डोनर्स, भागीदारों और स्वयंसेवी समुदाय के प्रति हमारा हार्दिक आभार। हम सहयोग, रचनात्मकता, समावेशन और सहानुभूति के माध्यम से हर जगह बच्चों और शिक्षकों के लिए बड़ा बदलाव लाने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं।

प्रथम बुक्स टीम और ट्रस्टियों की ओर से,

आर श्रीराम
अध्यक्ष एवं प्रबंध ट्रस्टी

जिज्ञासा के जादुगर

किताबें एक खास तरह का जादू दिखाती हैं। एक जादू जो बच्चों को ज्ञात और अज्ञात, पुरानी और नई, वास्तविक और काल्पनिक दुनिया में कदम रखने के लिए आमंत्रित करता है। जलवायु संकट से लेकर बालिका सशक्तीकरण तक, संस्कृति से लेकर सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा (एसईएल) और हँसी-मज़ाक वाली कहानियों तक, हमारी किताबें पढ़ने को मज़ेदार बनाती हैं।

राजीव आइप के *हैलो सूरज!* में प्रकृति की अद्भुद छटा का जादू है, तो अपर्णा कपूर द्वारा लिखित और कृष्णा बाला शेनोय द्वारा चित्रित *अंधेरे की आवाज़* हमें रोजमर्रा की जिंदगी में छिपी भावनाओं और खूबसूरती की याद दिलाती है। *हमारी आशा : जलवायु परिवर्तन पर बच्चे* में देश के विभिन्न भोगौलिक क्षेत्रों के 15 बच्चों की आवाज़ें शामिल हैं, जो जलवायु परिवर्तन और उनके जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में बात कर रहे हैं। उनकी भावनाओं को राधा रंगराजन के अतिरिक्त पाठ के साथ 14 अद्भुत कलाकारों द्वारा चित्रित किया गया है।

बाल पुस्तकें बच्चों को सशक्त और प्रेरित करने का एक बेहतरीन माध्यम है, और कुछ ऐसा ही करती है *ग्रेस : विज्ञान की शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए एक इंजीनियर की लड़ाई*, जो इसी नाम की ट्रांसजेंडर इंजीनियर और कार्यकर्ता के उल्लेखनीय जीवन का वर्णन करती है। पुस्तक सायंतन दत्ता द्वारा लिखी गई है और प्रिया डाली द्वारा चित्रित है। *गोल!* नेहा सिंह और सबा खान द्वारा लिखित और अलाफिया हसन और पाय्रो द्वारा चित्रित, परचम कलेक्टिव की अविश्वसनीय लड़कियों से प्रेरित है, जो खेल से मिलने वाली

स्वतंत्रता का महत्त्व बताती है। नेहा सिंह द्वारा लिखित और शुभश्री माथुर द्वारा चित्रित *एक धुन अंतरिक्ष में*, एक वॉयजर की कहानी है, जिसने भारत की केसरबाई केरकर की आवाज़ को पृथ्वी से आगे अंतरिक्ष तक पहुँचाया।

कानातो जिमो की *अफो और मैं* जलवायु परिवर्तन के प्रति एक कलात्मक प्रतिक्रिया है, जबकि *संग्रहालय में एक दिन*, अनु चौधरी-सोराबजी द्वारा लिखित और प्रमुख कालीघाट पट कलाकार, अनवर चित्रकार द्वारा चित्रित, देशी कला का जश्न मनाती है। ग़ज़ल कादरी की *सोंथ आ गया* कश्मीर में वसंत के रंग और संगीत को जीवंत करती है, जबकि निवेदिता सुब्रमण्यम की *जासूस दमयन्ती* चटर-पटर खाने की शौकीन जासूस, दमयन्ती की कहानी कहती है।

प्रथम बुक्स की प्रसिद्ध पात्र पुचकू और उसके दोस्त बोल्टू और डोडला, दीपांजना पाल द्वारा लिखित, राजीव आइप द्वारा चित्रित और मैथिली दोशी द्वारा निर्देशित *पुचकू का रोमांच* में लौट आए हैं।

सिंगापुर बुक काउंसिल के साथ सहयोग में, प्रथम बुक्स ने एशियन बाल सामग्री महोत्सव 2022 की अगुवाई में एक वर्चुअल हैकाथॉन आयोजित किया । इसमें भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के 18 प्रतिभागी थे- पाँच लेखक, पाँच चित्रकार, चार लेखक-चित्रकार और चार अनुवादक। हमने दो दिनों में नौ पुस्तकों के सृजन की सुविधा प्रदान की जिनमें से प्रत्येक, एक से अधिक भाषाओं (हिंदी, तमिल, चीनी और मलय) में अनुवाद या द्विभाषी पुस्तक के रूप में तैयार हुई। पुस्तकें बाद में महोत्सव में लॉन्च की गईं।

प्रथम बुक्स के मूल्यों और सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए, हमने द वर्ल्ड वी लिव इन, द वर्ड्स वी क्रिएट, बच्चों के लिए अधिक विविध, समावेशी पठन अनुभव को सक्षम बनाने के लिए विविधतापूर्ण चित्र पुस्तकें बनाने पर एक ओपन-सोर्स हैंडबुक बनाने के लिए यूनिसेफ इंडिया के साथ भी सहयोग किया।

“महामारी ने पढ़ने को कैसे प्रभावित किया है? आइए कुछ प्रेरक लाइब्रेरियनों और शिक्षकों से मिलें और जानें कि पाठक हमारी पुस्तकों को किस प्रकार देखते हैं?”

जब टीम ने रीड विद मी योजना शुरू की तो हमारे मन में कुछ सवाल थे, विशेषकर महामारी के बाद की दुनिया में *साक्षरता और पढ़ने* के परिदृश्य को समझने के लिए हमने देश भर के पुस्तकालयों, सामुदायिक केंद्रों और स्कूलों की यात्रा की। निष्कर्ष स्वरूप अब चित्र पुस्तकों के जानबूझकर कमीशनिंग के एक नए दौर का समर्थन करते हैं।

प्रथम बुक्स के स्टोरीवीवर ने यूनिसेफ के लिंग संभव पहल के हिस्से के रूप में खुली किताबें, खुले दरवाजे, खुले दिमाग : कहानी पुस्तकों के माध्यम से लैंगिक समानता कार्यक्रम लॉन्च किया। शिक्षकों के लिए विस्तृत सत्र योजनाओं, पढ़ने के स्तर के अनुसार पुस्तकों की इस क्यूरेटेड सूची में दिलचस्प पुस्तकें शामिल हैं जैसे *मैं अच्छी हूँ*, मेनका रमन द्वारा लिखित और एकता भारती द्वारा चित्रित, यह पुस्तक सुंदर होने के अर्थ की बनी बनाई धारणाओं को चुनौती देती है। इसी प्रकार प्रिया कुरियन की *लापता सुंदरी*, जिसकी नायिका, जिंसी नाम की एक महिला पुलिस इंस्पेक्टर है, एक उल्लेखनीय पुस्तक है।

कक्षा 1-5 के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के साथ यह कार्यक्रम लैंगिक समानता के प्रोत्साहन के लिए पुस्तकों की ताकत का उपयोग करता है। कार्यक्रम के बेसलाइन में केवल 51% बच्चों ने कहा था कि महिला, पुरुष दोनों पुलिस अधिकारी हो सकते हैं। एंडलाइन में 93% बच्चों ने यह विश्वास जताया।

पुरस्कार

ब्यूटी इज़ मिसिंग

बिनोद कनारिया अवाइर्स- चिल्ड्रन्स बुक अवार्ड फोर इंग्लिश अर्ली रीडर
बिनोद कनारिया अवाइर्स- चिल्ड्रन्स बुक अवार्ड फोर इलस्ट्रेशन
अट्टा गलट्टा-बेंगलोर लिटरेचर फेस्टिवल- बेस्ट चिल्ड्रन्स पिक्चर बुक स्टोरी
पराग ऑनर लिस्ट 2023

दुग्गा

बिनोद कनारिया अवाइर्स- चिल्ड्रन्स बुक अवार्ड फोर इलस्ट्रेशन
अट्टा गलट्टा-बेंगलोर लिटरेचर फेस्टिवल- बेस्ट चिल्ड्रन्स पिक्चर बुक फोर इलस्ट्रेशन
द फेडरेशन फोर इंडियन पब्लीशर्स, चिल्ड्रन्स बुक्स | जेनेरल इंटरेस्ट, 0-10 ईयर्स
द फेडरेशन फोर इंडियन पब्लीशर्स, चिल्ड्रन्स बुक्स (जेनेरल इंटरेस्ट) थर्ड प्राइज़
पराग ऑनर लिस्ट 2023

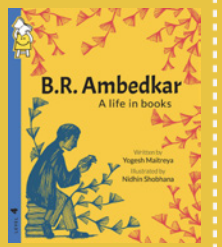

बी. आर. अम्बेडकर: ए लाइफ इन बुक्स

निस्सिम प्राइज़ फोर एक्सिलेंस इन लिटरेचर- स्पेशल ऑनर

असामो, इज़ दैट यु?

एफआईसीसीआई पब्लिशिंग अवार्ड, बुक ऑफ द ईयर- ओवरआल डिज़ाइन

होम

एफआईसीसीआई पब्लिशिंग अवार्ड, चिल्ड्रन्स बुक ऑफ द ईयर

थियेटर ऑफ घोस्ट्स

पराग ऑनर लिस्ट 2023

द प्लांट विस्परर

पराग ऑनर लिस्ट 2023

माई स्ट्रीट

पराग ऑनर लिस्ट

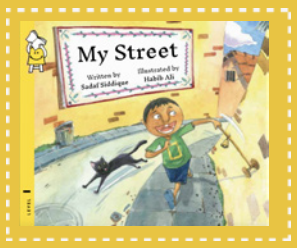

वेन ए फॉरेस्ट वेक्स अप

पराग ऑनर लिस्ट 2023

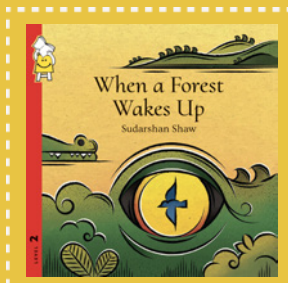

इन द लैंड वेयर बीटल्स रूल

पराग ऑनर लिस्ट 2023

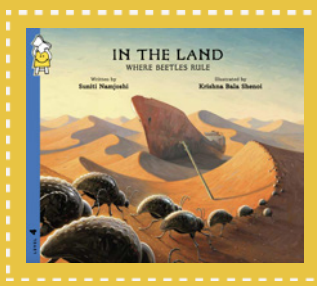

पहुँच के जादुगर

PRATHAM BOOKS storyweaver

2.4 करोड़ पठन, 332 भाषाएँ, 55 हज़ार कहानियाँ

बचपन की शिक्षा में भारत का पहला 'डिजिटल पब्लिक गुड', स्टोरीवीवर अब बच्चों के पढ़ने के स्तर में सुधार के लिए शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के साथ बड़े पैमाने पर जुड़ा हुआ है। स्टोरीवीवर पर मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण कहानी पुस्तकें पाई जाती हैं जिन्हें उपयोगकर्ताओं द्वारा पढ़ा जा सकता है, फिर से रचा जा सकता है या अनूदित किया जा सकता है, साथ ही यह क्षेत्रीय और लुप्तप्राय भाषाओं का सहयोग करने में मदद करता है, जो कि स्टोरीवीवर पर प्राप्त सभी भाषाओं का लगभग 65% है। उदाहरण के लिए, इस वर्ष, हमारे पास बूरा, एर्ज़्या, नानाई, रुसिन और लेप्चा जैसी लुप्तप्राय और गंभीर रूप से लुप्तप्राय भाषाओं में कहानी पुस्तकों का अनुवाद किया गया। यह प्लेटफ़ॉर्म सरकार, पुस्तकालयाध्यक्षों, शिक्षकों और रीडिंग चैंपियन जैसे प्रमुख हितधारकों के साथ साझेदारी में किए गए, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से पढ़ने और सीखने को सक्षम बनाता है।

प्रारंभिक पठन प्रवाह और समझ विकसित करने के लिए डिज़ाइन किये गये फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम में कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए चित्र पुस्तकें और प्रारंभिक-ग्रेड भाषा-सीखने के परिणामों के लिए मैप किए गए संसाधन शामिल हैं। इसमें ग्रेड-वार, स्तरीय कहानी पुस्तकें, मूल्यांकन पत्र, मज़ेदार वर्कशीट और स्टोरीवीवर के रीडएलॉन्ग्स (दृष्य-श्रृव्य कहानी पुस्तकें) शामिल हैं। बेरला, छत्तीसगढ़ और रेलमगरा, राजस्थान में सफल अध्ययन के बाद, कार्यक्रम को अब छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर डिजिटल और प्रिंट में अपनाया जा रहा है। एससीईआरटी, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के साथ साझेदारी

में, फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम की किताबें छत्तीसगढ़ के 30 हजार प्राथमिक स्कूलों में 26 लाख बच्चों तक पहुँचाई गईं और महाराष्ट्र में 42 हजार स्कूलों में 40 लाख बच्चों तक पहुँचाई गईं।

छत्तीसगढ़

54 लाख पुस्तकें

30,000 स्कूल

26 लाख छात्र

महाराष्ट्र

22 लाख

42000 स्कूल

40 लाख विद्यार्थी

कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के लिए स्टोरीवीवर पर हमारा प्रथम बुक्स रीडिंग प्रोग्राम पढ़ने की खुशी का परिचय देने और पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम की कहानी पुस्तकें, कक्षा उपयुक्त विषय, शब्दावली, और सुझाई गई गतिविधियाँ अब ना केवल अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध हैं, बल्कि मराठी, उर्दू, अरबी, फ़ारसी, फ्रेंच और कोंकणी में भी उपलब्ध हैं।

सीबीएसई, यूनिसेफ, एमएससीईआरटी और अन्य भागीदारों के माध्यम से पूरे भारत में तैनात इस कार्यक्रम ने शुरुआती पाठकों को अपनी मातृभाषा में पढ़कर शब्दावली बनाने और कहानियों और अपने जीवन के बीच संबंध प्राप्त करने में मदद की है। गोवा इज़ रीडिंग अभियान गोवा के शिक्षा निदेशालय के साथ साझेदारी में हमारा राज्यव्यापी सहयोग है, जहाँ इसे राज्य के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में शुरू किया गया था।

"मैं बच्चों को स्टोरीवीवर के फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम की पुस्तकों को बहुत रुचि के साथ पढ़ते हुए देखता हूँ। बच्चों की पाठ पढ़ने की क्षमता में सुधार हुआ है। मैं खुश हूँ की बच्चों के पास अब हिंदी भाषा सीखने के लिए एक और संसाधन है। मेरी कक्षा के छात्र, अक्सर मेरी अनुपस्थिति में, एफएलपी कहानी पुस्तकों का उपयोग करते हैं।

गुलज़ार बरेठ, शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला अमोदी, जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़

यूनिसेफ, एससीईआरटी और क्षेत्रीय शैक्षणिक प्राधिकरण (आरएए), औरंगाबाद के सहयोग से एक उर्दू रीडिंग प्रोग्राम, 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत 80 उर्दू किताबें विकसित की गईं और 880 स्कूलों में 37,000 प्रिंट किताबें वितरित की गईं।

गोष्टीचा शनिवार (कहानियों का शनिवार) 5 महीने तक चलने वाला कार्यक्रम है यूनिसेफ, महाराष्ट्र और एमओई के साथ साझेदारी में पढ़ने का कार्यक्रम महाराष्ट्र में, मराठी, उर्दू और अंग्रेजी में कहानियों के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित करता है। इसे महामारी के कारण स्कूल बंद होने के कारण सीखने के नुकसान को कम करने के लिए विकसित किया गया था। इस कार्यक्रम में 3 लाख शिक्षक और प्रारंभिक बचपन कार्यकर्ता शामिल थे और इसने पूरे महाराष्ट्र में 25 लाख बच्चों को प्रभावित किया।

लंबी अवधि तक कार्यक्रम की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, राज्य हितधारकों के साथ कैपीसिटी बिल्डिंग की गई। कार्यक्रम का डिज़ाइन अब महाराष्ट्र के निपुण भारत एफएलएन मिशन के हिस्से के रूप में महाराष्ट्र में एमओई द्वारा अपनाया गया है। फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम की किताबें अब राज्य की फाउंडेशनल लिट्रेसी और न्यूमेरेसी पुस्तकालयों का हिस्सा हैं जो 25 लाख बच्चों तक पहुँच रही हैं।

"मैंने *गुल्लीका ग़ज़ब पिटारा* नामक एक कहानी पढ़ाई, जिसमें एक छोटे से लड़के के पास उसका छोटा सा पिटारा है, जिसमें हर समस्या का समाधान है। अगले सप्ताह की कक्षा में मैंने पाया कि सभी बेकार चीज़ें जो उपयोगी हो सकती थी, उन्हें उसी तरह के एक पिटारे में डाल दिया गया था! केवल दो महीने के पठन कार्यक्रम के बाद, ये बच्चे प्रत्येक कहानी को ज़ोर से पढ़ने के लिए उत्सुक हैं। सभी कहानियाँ प्रासंगिक और समझने में आसान हैं, जो उन्हें बहुत आत्मविश्वास देती हैं। उनकी रचनात्मकता, समझ, सुनने और पढ़ने के कौशल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। रीडिंग प्रोग्राम के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि कहानियाँ अच्छी तरह से संकलित हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से जोड़ा जा सकता है।"

शालिनी गुप्ता, लाइब्रेरियन, पुरकल यूथ डेवलपमेंट सोसाइटी, उत्तराखंड

युवा मन में कल्पनाशीलता के विकास के लिए, बडिंग ऑथर प्रोग्राम यानी नवोदित लेखक लेखन कार्यक्रम ने सीबीएसई रीडिंग मिशन को आगे बढ़ाया, जिसे कौशल कार्यशालाओं और परामर्श सत्रों के माध्यम से छात्रों को पढ़ने से रचनात्मक लेखन की ओर ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कक्षा 5 से 10 तक के सीबीएसई छात्रों के लिए इस रचनात्मक लेखन कार्यक्रम में 7000 से अधिक पंजीकरण हुए, जिनमें से 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने स्टोरीवीवर प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रविष्टियाँ प्रस्तुत कीं।

भारत के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस 2017) से संकेत मिलता है कि कक्षा 3 में, केवल 50% छात्र गणित, विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) में उपलब्धि के

बुनियादी स्तर से ऊपर हैं, कक्षा 5 से 8 तक यह संख्या उत्तरोत्तर कम होती जा रही है। महंगी बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं के बिना, प्राथमिक कक्षाओं में आवश्यक एसटीईएम कौशल और माइंडसेट को विकसित करने की सबसे अधिक आवश्यकता है।

इसी तरह स्टोरीवीवर ने एक एसटीईएम साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य कहानी पुस्तकों की शक्ति के माध्यम से एसटीईएम विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में

"यदि आप नई मशीनें डिज़ाइन करने में रुचि रखने वाले वैज्ञानिक होते, तो आप क्या बनाते? उसे बनाएँ और 50 शब्दों में बताएँ कि मशीन क्या करेगी।"

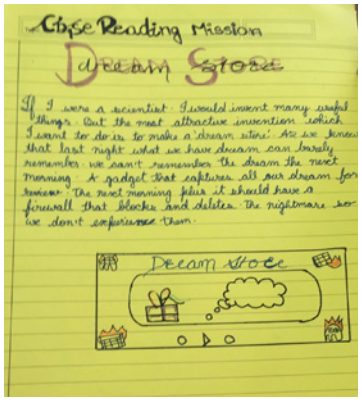

दिया, होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली की कक्षा 3 की छात्रा है। दिया ने राहुल राघवन की '*एक मज़ेदार योजना*' पढ़ी और अपने सपनों को सच करने के लिए एक 'ड्रीम स्टोव' बनाया।

सोशल मीडिया पर स्टोरीवीवर के हमारे स्टेम लिट्रेसी प्रोग्राम पर प्रतिक्रियाएँ

Riz Malik
I really appreciate the quality and collection of books.

Divya Solanki
Beautiful concept

Florence Bibbin
Wonderful collection of books

Sashi Bala Vyas Kuriyal
Nice collection

Manisha G. Bhise
I had been to Murbad on 21st January to conduct STEM stories to 5th, 6th and 7th grades and I have referred your lovely repository to them. As a storyteller and educator I appreciate Pratham Books for being accessible and available to everyone.

खोज और जुड़ाव को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम शिक्षकों के लिए एक समृद्ध संसाधन है, जिसमें राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-संरेखित विषयों, संरचित पाठ योजनाओं, आकर्षक गतिविधियों और शिक्षक-प्रशिक्षण संसाधनों के साथ कक्षा 1 से 5 तक के लिए लगभग 200+ कहानी पुस्तकें हैं। यह कार्यक्रम अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, उर्दू और उड़िया में उपलब्ध है।

कहानियाँ जो यात्रा करती हैं

किताबें दूरी और समय के पार भी पहुँच सकती हैं और बच्चों को मंत्रमुग्ध कर सकती हैं। इस वर्ष, हमारे साझेदारों के समुदाय ने पूरे भारत में बच्चों को पढ़ने का आनंद खोजने में मदद की।

प्रिंट पुस्तकों का प्रसार

93 लाख पुस्तकें

6815 “लाइब्रेरी इन ए क्लासरूम”

13 भारतीय भाषाएँ

25 राज्य और
4 केन्द्र शासित प्रदेश

हमने पूरे भारत में हैप्पी स्कूलों में 89,300 किताबें पहुँचाने के लिए एचसीएल फाउंडेशन जैसे साझेदारों के साथ सहयोग किया और 777 पुस्तकालय स्थापित किए। 1,36,176 युवा छात्रों को पढ़ने का आनंद : जुबिलेंट भरतीय फाउंडेशन, नोएडा, 82,400 पुस्तकों की मदद से 11 राज्यों के 240 गांवों में 10,00,000 बच्चों को पढ़ने, कल्पना करने और सीखने में मदद करेगा : यूनाइटेड वे मुंबई ने अपने लेट्स रीड अभियान के तहत 11,540 वंचित बच्चों को 84,625 किताबों का लाभ दिया, ताकि उन्हें पढ़ने का आनंद मिल सके : और जिला प्रजा परिषद, आसिफाबाद ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 35,000 किताबें पहुँचाईं और सभी बच्चों के उपयोग के लिए 353 हैंगिंग लाइब्रेरी स्थापित कीं।

हमने 17000 फीट फाउंडेशन (लद्दाख और सिक्किम), समग्र शिक्षा (दादर, नागर हवेली, दमन और दीव), नवसहयोग फाउंडेशन (कर्नाटक), की एजुकेशन फाउंडेशन (कर्नाटक), थिंकशार्प फाउंडेशन (महाराष्ट्र और गुजरात), बालमित्र फाउंडेशन (आंध्र प्रदेश), जेसीबी लिटरेचर फाउंडेशन (दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र), वाणी प्रेस (कर्नाटक), पीपुल्स एक्शन फॉर नेशनल इंटीग्रेशन - पानी (उत्तर प्रदेश), और आज़ाद इंडिया फाउंडेशन (बिहार) जैसे संगठनों के साथ भी साझेदारी की है ताकि हज़ारों बच्चों को कहानी पुस्तकों के माध्यम से पढ़ने और सीखने का आनंद मिल सके।

जिज्ञासा के जादुगर

कोविड-19 महामारी ने छात्रों के सीखने और विकास के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया है। मूल रूप से भारतीय भाषाओं में लिखित पुस्तकों की COVID-19 महामारी के दौरान और उसके बाद वैश्विक दक्षिण के संदर्भ में विशेष प्रासंगिकता हो सकती है, जहाँ छात्रों की दूरस्थ शिक्षा से और भी अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। पढ़ने के अंतराल पर असर रिपोर्ट के अनुसार सरल अंग्रेजी किताबें भी समय की माँग हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 सीखने में सुधार, भागीदारी बढ़ाने और स्कूल छोड़ने की दर को कम करने के लिए बच्चे की मातृभाषा में प्रारंभिक स्कूली शिक्षा की सिफारिश करती है। प्रथम बुक्स में हम समावेशी कहानी पुस्तकें बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो आनंददायक, आकर्षक कहानियों के साथ भाषाई अंतर को पाटती हैं।

प्रत्येक बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ने का हकदार है। समुदाय के अनुवादकों ने पुस्तकों का अल्प-ज्ञात भाषाओं में अनुवाद किया है जैसे कोलामी, गोंडी, पावरी और कोरकू आदि ताकि अधिक से अधिक बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़ने का आनंद पा सकें।

केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान के भारतीय भाषा उत्सव में प्रथम बुक्स को भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य पर एक प्रस्तुति देने के लिए बुलाया गया।

हमारी कन्नड़ पुस्तकें ईसीई रीडिंग पर एक पायलट प्रोग्राम का हिस्सा बनीं, जो कर्नाटक के

आंगनवाड़ी ईसीई पायलट 10

10 आंगनवाड़ी,
134 बच्चे, 10 सप्ताह,
प्रतिदिन 45 से 60 मिनट
25 चयनित पुस्तकें
गतिविधियाँ और कहानी सुनाना।

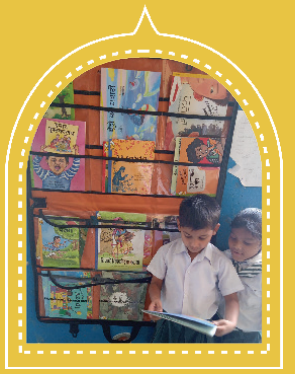

10 शहरी और ग्रामीण केंद्रों में आयोजित किया गया था। परिणाम बेहद उत्साहजनक रहे, व्यक्तिगत डेटा प्रतिक्रियाओं पर बच्चों की प्रतिक्रियाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई : शहरी और ग्रामीण दोनों ईसीई केंद्रों में प्रिंट जागरूकता और भाषा कौशल : शब्दावली, ग्रहणशील और अभिव्यंजक भाषा और ध्वन्यात्मक जागरूकता में सांख्यिकीय रूप से महत्त्वपूर्ण सुधार हुए।

शिक्षकों ने बताया कि इन किताबों के परिणामस्वरूप कुछ बच्चों ने आसानी से पढ़ना सीख लिया, साथ ही प्रिंट जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसके कारण बच्चे पहले की तुलना में अधिक सक्रिय रूप से किताबें खोजने लगे।

समुदाय के जादुगर

वन डे, वन स्टोरी के दसवें वर्ष में, दो वर्षों के वर्चुअल ओडीओएस के बाद अपने मूल रूप, ऑफ़लाइन प्रारूप में मज़ेदार वापसी देखी गई। और यह देखने लायक था!

हमने प्रिया कुरियन की *लापता सुंदरी* और कविता पुन्नियामूर्ति द्वारा लिखित और एकता भारती द्वारा चित्रित *टर्र* की प्रतियाँ, देश भर के रीडिंग चैंपियंस तक, महानगरों से लेकर छोटे शहरों जैसे बिहार में ठाकुरगंज, महाराष्ट्र में नासिक, तमिलनाडु में कराईकुडी और छत्तीसगढ़ में सुकमा तक प्रसारित कीं। गोंडी और संताली सहित 25 भाषाओं में कहानी वाचन के सत्र हुए और 2 लाख से अधिक बच्चों ने कहानियों का आनंद लिया।

यह सफलता- पहले हुए 9 ओडीओएस में से प्रत्येक की तरह- हमारे 30,000 रीडिंग चैंपियंस के दिल, भावना और असीमित ऊर्जा के लिए आभार थी, जिन्होंने स्कूलों, पुस्तकालयों, घरों, किताबों की दुकानों और अन्य स्थानों पर अपने दर्शकों के लिए लगभग 13,000 सत्र आयोजित किए।

प्रिया कुरियन ने बेंगलूरु की सबसे पुरानी किताबों की दुकानों में से एक, बुकवॉर्म में अपनी किताब, *लापता सुंदरी* पढ़ी, और इसके बाद एक ड्राइंग गतिविधि भी की। प्रिया मुतुकुमार ने, जो कि एक पेशेवर कहानीकार हैं, बेंगलूरु के स्वाभिमान सामुदायिक पुस्तकालय में *टर्र* की मज़ेदार और आकर्षक प्रस्तुति से बच्चों को हँसने-हँसाने पर मजबूर कर दिया। उनके सस्वर पढ़ने के बाद मुखौटा बनाने की गतिविधि हुई। शिक्षार्थ ट्रस्ट का वन डे वन स्टोरी सत्र विशेष आकर्षण का विषय रहा, क्योंकि स्वयंसेवकों ने गोंडी में कहानियाँ पढ़ीं, जो मध्य भारत के आदिवासी समुदायों में बोली जाने वाली एक लुप्तप्राय भाषा है।

अच्छाई के जादुगर

PRATHAM BOOKS
donate-a-book

जरूरतमंद बच्चों, गैर सरकारी संगठनों और स्कूलों के साथ हमारे मिशन से जुड़ने वाले व्यक्तियों को जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, डोनेट-ए-बुक ने राष्ट्रीय वाचन दिवस और दान उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस जैसे विभिन्न अवसरों पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। हमारे प्रयासों की पहुँच विविध लाभार्थियों तक बढ़ी है, जिनमें मणिपुर में द मालसॉम इनिशिएटिव के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से लेकर उत्तर प्रदेश के गाँवों में किसानों के बच्चों और कोडागु और मैसूर जिलों के चिल्ड्रन्स होम में रहने वाले बच्चों तक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, हमारे योगदान ने कर्नाटक, मेघालय, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, सिक्किम और मणिपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों को प्रभावित किया है।

इन प्रयासों ने ना केवल किताबें वितरित की हैं, बल्कि सार्थक संबंध भी विकसित किए हैं, जिससे समर्थन करने के इच्छुक लोगों और जरूरतमंद लोगों के बीच की खाई को पाट दिया गया है। इन सम्पर्कों को सुविधाजनक बनाकर, हमने विभिन्न पृष्ठभूमि और भौगोलिक स्थानों के बच्चों के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दान उत्सव के हमारे दूसरे संस्करण में, फर्स्टसोर्स, मास्टेक के कॉर्पोरेट समर्थन और व्यक्तिगत डोनर्स के माध्यम से 28,000 से अधिक पुस्तकें वितरित की गईं।

डोनेट-ए-बुक का प्रभाव दूरगामी और हृदयस्पर्शी दोनों रहा है, जिसने बच्चों को आनंददायक कहानी पुस्तकें उपलब्ध कराने में योगदान दिया है।

"डोनर्स ने बहुत बड़ा बदलाव लाया है। उनके बिना मुझे नहीं लगता कि हम प्रभावी पुस्तकालय स्थापित कर सकते थे। हम बहुत आभारी हैं कि वे सभी सही समय पर आगे आए।"
दीपिका अप्पैया, संस्थापक, माइंड एंड मैटर

"अब कक्षाएँ अधिक जीवंत हो गई हैं और हमने बदलाव देखा है। बच्चों में पढ़ने से जुड़ाव और बातचीत को लेकर बहुत सुधार दिखा है।"
आशीष श्रीवास्तव, संस्थापक, शिक्षार्थ

सोनम यांगज़ोम ने हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी में अपने गांव में पहली लाइब्रेरी स्थापित की। किताबों और इंटरनेट तक पहुँच की कमी के कारण बच्चों और वयस्कों दोनों की सीखने की क्षमता बाधित होती है। अपने अभियान के माध्यम से एकत्रित धन का उपयोग करते हुए, सोनम ने अपने गाँव के दोस्तों के साथ, पिन वैली के एक छोटे से गाँव, खार में, एक पुस्तकालय की स्थापना की, जहाँ उनका पालन-पोषण हुआ। वे चाहते हैं कि वहाँ और आस-पास के गांवों के बच्चों को आकर्षक कहानी पुस्तकें मिलें जो उन्हें सोचने, कल्पना करने और अपने जीवन को संभावित कहानियों के रूप में देखने के लिए प्रेरित करेंगी।

सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव (सीसीआई) द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मालसॉम इनिशिएटिव स्कूल ने दान उत्सव के दौरान बच्चों को आनंददायक कहानी पुस्तकें प्रदान करने के लिए धन जुटाया। उन्होंने प्रत्येक बच्चे को अपने साथ घर ले जाने के लिए उम्र के अनुरूप किताबें दीं और सभी पृष्ठभूमियों और आर्थिक साधनों वाले परिवारों के साथ पढ़ने की शक्ति साझा की।

डोनेट-अ-बुक से
100+ पुस्तकालय स्थापित करने में मदद मिली।

इसके माध्यम से स्कूलों और संगठनों के लिए क्राउडफंडिंग अभियान से 55,000 से अधिक पुस्तकें वितरित की गईं 300+ एलआईसी के साथ

2.3 लाख बच्चों पर प्रभाव पड़ा
भारत के 50+ कस्बों और शहरों में

700+ युनीक डोनर्स रहे

डोनर्स

Google.org

Henkel

P·A·N·I Foundation
giving hope a chance

التعليم فوق الجميع | education above all

SOFINA COVID Solidarity Fund

give INDIA

McAfee

Azim Premji University

HUMANE SOCIETY INTERNATIONAL

indus TOWERS
Putting India First

CAF
Charities Aid Foundation

[e] enphase ENERGY

SAVE THE CHILD FOUNDATION

dakshin

JASMIN INFOTECH

THE UK ONLINE GIVING FOUNDATION

UNICEF

PhonePe

2022-2023 के व्यक्तिगत डोनर्स

यदि आप पढ़ने का आनंद पहुँचाने के हमारे प्रयास में हमारा साथ देना चाहते हैं, तो कृपया grants@prathambooks.org पर लिखें।

वित्तीय रिपोर्ट

Pratham Books

Balance sheet as at March 31, 2023

(Amount in Rupees)

Particulars	Sch No.	As at March 31, 2023 Amount	As at March 31, 2022 Amount
Liabilities			
Corpus Fund	1	10,11,68,543	8,65,63,766
Specified Fund	2	5,03,01,352	7,17,35,307
Current Liabilities	3	1,55,66,256	1,82,79,129
Provisions	4	41,07,473	29,40,689
Other advances	5	6,20,586	6,91,391
Total		**17,17,64,209**	**18,02,10,282**
Assets			
Fixed Assets	6	24,41,933	22,51,602
Deposits	7	9,63,56,774	10,08,13,996
Debtors	8	29,94,427	68,26,803
Loans and advances	9	10,57,771	17,18,099
Stock of Books		63,92,040	77,05,011
Cash in Hand		13,440	8,740
Cash at Bank	10	5,59,18,084	5,56,29,623
Specified Fund Receivable	11	2,60,003	-
Other Current Assets	12	63,29,737	52,56,407
Total		**17,17,64,209**	**18,02,10,282**
Significant Accounting Policies and notes to accounts	30		

for Pratham Books

R Sriram
Chairperson

Suzanne Singh
Trustee

Bengaluru
September 21, 2023

As per our report of even date
for Singhvi Dev & Unni LLP
Chartered Accountants
Firm Reg No 003867S/ S200358

Shashi Kumar H D
Partner
Membership No.: 235431
UDIN: 23235431BGQRTD3650

Bengaluru
September 21, 2023

Pratham Books

Income & Expenditure for the year ended March 31, 2023

(Amount in Rupees)

Particulars	Sch No.	As at March 31, 2023 Amount	As at March 31, 2022 Amount
Income			
Sale of Books	13	7,22,51,678	7,04,51,825
Donations received	14	79,73,670	70,22,690
Other Income	15	76,56,613	86,08,003
Income from Funds	16	7,96,43,198	10,17,84,589
Total (A)		**16,75,25,159**	**18,78,67,106**
Expenditure			
Book Development Expenses	17	2,80,32,882	1,22,98,263
Selling & Administrative Expenses	18	1,94,58,435	1,85,68,538
Staff Expenses	19	2,47,53,402	2,43,93,196
Promotional Expenses	20	3,94,861	5,06,838
Research & Evaluation Expenses		-	-
Depreciation	6	6,37,604	5,82,825
Fund Expenditure	21	10,06,12,911	10,11,87,604
Total (B)		**17,38,90,094**	**15,75,37,265**
Excess of Income over expenditure (A-B)		(63,64,935)	3,03,29,841
Add:			
Opening Balance in Funds			
Opening Balance in Corpus Fund		8,65,63,766	5,68,30,909
Opening Balance in Specified Fund		7,17,35,307	7,15,18,870
Balance of Funds after appropriations			
Corpus Fund		10,11,68,543	8,65,63,766
Specified Fund		5,03,01,352	7,17,35,307
Total balance in Funds		**15,14,69,895**	**15,82,99,073**
Significant Accounting Policies and notes to accounts	30		

for Pratham Books

R Sriram
Chairperson

Suzanne Singh
Trustee

Bengaluru
September 21, 2023

As per our report of even date
for Singhvi Dev & Unni LLP
Chartered Accountants
Firm Reg No 003867S/ S200358

Shashi Kumar H D
Partner
Membership No.: 235431
UDIN: 23235431BGQRTD3650

Bengaluru
September 21, 2023

Pratham Books

Receipts and Payments account for the year ended March 31, 2023

(Amount in Rupees)

Particulars	Sch no.	Year ended March 31, 2023 Amount	Year ended March 31, 2022 Amount
Receipts			
Balance brought forward			
- Cash on hand		8,740	12,859
- Cash at bank		5,56,29,623	3,23,86,168
Sale of books	22	7,60,21,404	7,11,27,960
Donations	23	79,73,670	70,22,690
Other Income	24	66,96,425	75,31,032
Specified Funds	25	7,95,20,218	10,17,84,589
Fixed Deposits - Withdrawn		11,57,24,894	9,15,06,369
Earnest Money Refund Received		72,141	3,13,880
Income Tax Refund - Received (TDS)		13,25,281	10,60,810
Total		**34,29,72,396**	**31,27,46,357**
Payments			
Book Development Expenses	26	3,06,72,715	1,12,84,777
Selling, Administrative Expenses and Promotional Expenses	27	1,97,05,301	1,88,72,827
Staff Expenses	28	2,35,82,788	2,38,49,771
Fund Expenditure	29	9,88,73,433	10,39,09,421
Fixed Assets Purchased		8,27,935	2,11,280
Fixed Deposits		11,12,88,813	9,88,16,981
Gratuity- LIC Policy		13,14,641	-
Specific Grant Balance Refund		7,24,246	65,797
Earnest Money/Security Deposit		51,000	97,141
Balance carried forward			
- Cash on hand		13,440	8,740
- Cash at bank		5,59,18,084	5,56,29,623
Total		**34,29,72,396**	**31,27,46,358**
Significant Accounting Policies and notes to accounts	30	-	

for Pratham Books

R Sriram
Chairperson

Suzanne Singh
Trustee

Bengaluru
September 21, 2023

As per our report of even date
for Singhvi Dev & Unni LLP
Chartered Accountants
Firm Reg No 003867S/ S200358

Shashi Kumar H D
Partner
Membership No.: 235431
UDIN: 23235431BGQRTD3650

Bengaluru
September 21, 2023

बोर्ड के ट्रस्टी

नाम	पद	बोर्ड बैठकों की संख्या जिनमें भाग लिया	ट्रस्टियों को प्राप्त भरपाई
अशोक कामत	ट्रस्टी	4	शून्य
हरित नागपाल	ट्रस्टी	2	शून्य
एमएस श्रीराम	ट्रस्टी	4	शून्य
परवीन वर्मा	ट्रस्टी	0	शून्य
आर श्रीराम	अध्यक्ष एवं प्रबंध ट्रस्टी	4	शून्य
रेखा मेनन	ट्रस्टी	0	शून्य
श्रीकांत नादमुनि	ट्रस्टी	2	शून्य
सुज़ैन सिंह	ट्रस्टी	2	शून्य

ट्रस्टी पूरे वर्ष संगठन के विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय रूप से जुड़ते हैं और उनमें अपना सहयोग देते हैं, औपचारिक बोर्ड बैठकों से परे अपनी भागीदारी बढ़ाते हैं।

अशोक कामत सह-संस्थापक ट्रस्टी के रूप में शुरुआत से ही प्रथम बुक्स का मुख्य हिस्सा रहे हैं। वह अक्षरा फाउंडेशन का नेतृत्व करते हैं और भारत में शिक्षा असमानताओं को दूर करने के प्रयत्नों में गहराई से जुड़े हैं। विकासात्मक परिवर्तन के लिए टिकाऊ मॉडल बनाने और उन्हें आगे बढ़ाने में, राज्य नेतृत्व से लेकर ज़मीनी स्तर तक सरकार के सभी स्तरों के साथ कैसे जुड़ना है, अशोक इस से भली भांति परिचित हैं।

हरित नागपाल हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में ज़मीनी हकीकत और उपयोगकर्ताओं की समझ के साथ हमारे आउटरीच को संरेखित करने के लिए भारत-व्यापी संचालन की मुख्यधारा की व्यावसायिक समझ और अनुभव लाते हैं।

परवीन वर्मा सीआरवाई का नेतृत्व करते हुए बच्चों के मुद्दों पर काम कर रही हैं और बच्चों तक पहुँचने और उन्हें प्रभावित करने के तरीके पर सामग्री और अंतर्दृष्टि दोनों के संदर्भ में बच्चों की ज़रूरतों के बारे में बहुत आवश्यक अनुभूति और समझ साथ लाती हैं।

रेखा मेनन संस्थापक ट्रस्टियों में से एक रही हैं। लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ कॉर्पोरेट की तरह सुव्यवस्थित होने के दोहरे उद्देश्यों को वह मिश्रित करती हैं और वह हमेशा बड़े दृष्टिकोण और बड़े प्रभाव के बारे में सोचती रही हैं।

एम.एस. श्रीराम एक अकादमिक और लेखक हैं और ट्रस्ट के प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं को बड़े डिज़ाइन और वैचारिक मुद्दों के साथ जोड़ते हैं।

श्रीकांत नादमुनि प्रौद्योगिकी के बारे में गहन जानकारी रखते हैं और इसे बच्चों के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है यह अच्छे से जानते हैं। उन्होंने सीमांत क्षेत्रों में काम किया है और प्रौद्योगिकी हमारे लिए नवीन अनुप्रयोगों के सभी पहलुओं को सुलझाने का एक सीधा उपाय है।

सुज़ैन सिंह ने कई वर्षों तक अध्यक्ष और प्रबंध ट्रस्टी के रूप में संगठन का नेतृत्व किया है। कई प्रमुख उपयोगी फैसलों के साथ-साथ उन्होंने स्टोरीवीवर की शुरुआत की और उसे आगे बढ़ाया। अंतिम बच्चे तक को आनंददायक किताबों से प्रभावित करने के विस्तार के लिए वह खबसूरती से स्थाई जुनून के साथ मिशन पर केंद्रित हैं।

आर श्रीराम किताबों के जादू और आनंददायक पठन की लोकतांत्रिक पहुँच के प्रति जुनूनी बने हुए हैं। उद्यमी के रूप में विभिन्न व्यवसायों और गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ काम करने का अनुभव उनकी अंतर्दृष्टि और साहसी एजेंडे में झलकता है। श्रीराम वर्तमान में अध्यक्ष और प्रबंध ट्रस्टी हैं और नेतृत्व टीम का मार्गदर्शन करते हैं।

चित्रांकन अधिकार

इस वार्षिक रिपोर्ट में चित्र प्रथम बुक्स की निम्नलिखित पुस्तकों से लिए गए हैं :

शीर्षक	चित्रकार	लेखक
चकाचक चीकू	मानसी पारिख	लवलीन मिश्रा
मैं मोटरसाइकिल चलाऊँगी	रॉय	आरती पार्थसारथी
बी. आर. अंबेडकर : किताबों में जीवन	निधिं शोभना	योगेश मैत्रेय
अंधेरे की आवाज़	कृष्ण बाला शेनोय	अपर्णा कपूर
पूचकू का रोमांच	राजीव आइप	दीपांजना पाल
ग्रेस : विज्ञान शिक्षा सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए एक इंजीनियर की लड़ाई	प्रिया डाली	सायंतन दत्ता
गोल!	अलाफया हसन और पाम्रो आनंद	नेहा सिंह और सबाह खान
जासूस दमयंती	निवेदिता सुब्रमनियन	निवेदिता सुब्रमनियन
एक किताब पुचकू के लिए	राजीव आइप	दीपांजना पाल
मेरे जिगरी दोस्त	ऋषभ बंषकर	रमा हर्डिकर-सखदेव
संग्रहालय में एक दिन	अनवर चित्रकार	अनु चौधरी-सोराबजी
अफो और मैं	कानातो जिमो	कानातो जिमो
एक धुन अंतरिक्ष में	शुभश्री माथुर	नेहा सिंह
सोंथ आ गया	ग़ज़ल क़ादरी	ग़ज़ल क़ादरी

PRATHAM BOOKS

#621, 2nd floor, 5th Main, OMBR Layout,
Banaswadi, Bengaluru 560043
T: +91 80 42052574 / 41159009
New Delhi | T: +91 11 41042483

www.prathambooks.org
www.storyweaver.org.in
www.donateabook.org.in